८४ जन्म चक्र की स्वमान सीढी

१. मेरा बाबा ज्ञान का सागर है

२. मेरा बाबा शांति का सागर है

३. मेरा बाबा प्रेम का सागर है

४. मेरा बाबा सुख का सागर है

५. मेरा बाबा पवित्रता का सागर है

६. मेरा बाबा शक्ति का सागर है

७. मेरा बाबा आनंद का सागर है

८.मैं निराकारी आत्मा हूँ

९.मैं अशरीरी आत्मा हूँ

१०.मैं प्रकाश स्वरूप आत्मा हूँ

११.मैं ज्ञान स्वरूप आत्मा हूँ

१२.मैं शांति स्वरुप आत्मा हूँ

१३.मैं प्रेम स्वरूप आत्मा हूँ

१४.मैं सुख स्वरूप आत्मा हूँ

१५.मैं पवित्र स्वरुप आत्मा हूँ

१६.मैं शक्ति स्वरूप आत्मा हूँ

१७.मैं आनंद स्वरुप आत्मा हूँ

१८.मैं परमधाम निवासी हूँ

१९.मैं परमपिता परमात्मा की संतान हूँ

२०.मैं श्रेष्ठ महान आत्मा हूँ

२१.मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ

२२.मैं ज्ञानसूर्य का पुत्र हूँ

२३.मैं ब्रह्माण्ड के मालिक का पुत्र हूँ

२४.मैं शिवशक्ति कंबाइंड स्वरुप हूँ

२५.मैं बाप के नैनों का नूर हूँ

२६.मैं बाप का दिलतख्तनशीन हूँ

२७.मैं जहान का नूर हूँ

२८.मैं मास्टर बीज रूप पूर्वज आत्मा हूँ

२९.मैं देह में अवतरित आत्मा हूँ

३०.मैं मस्तक मणि हूँ

३१. मैं देह कर्मेन्द्रियों का मालिक हूँ

३२. मैं स्वराज्य अधिकारी हूँ

३३. मैं देवकुल की आत्मा हूँ

३४. मैं सूर्यवंशी घराने का हूँ

३५. मैं देव स्वरुप आत्मा हूँ

३६.मैं चतुर्भुज विष्णु हूँ

३७.मैं १६ कला संपूर्ण हूँ

३८.मैं सर्व दैवीगुण संपन्न हूँ

३९.मैं डबल ताजधारी हूँ

४०. मैं मर्यादा पुरुषोत्तम हूँ

४१. मै पूज्य स्वरुप आत्मा हूँ

४२. मैं इष्ट देव हूँ

४३. मैं अलंकारी मूर्त हूँ

४४. मैं साक्षात्कार मूर्त हूँ

४५. मैं अष्ट शक्ति धारी दुर्गा हूँ

४६. मैं सब की मनोकामनायें पूर्ण करने वाली माँ जगदम्बा हूँ

४७. मैं ज्ञान धन से भरपूर करने वाली माँ लक्ष्मी हूँ

४८. मैं अज्ञान अन्धकार से प्रकाश में ले जाने वाली माँ सरस्वती हूँ

४९. मैं आसुरी संस्कारों को भस्म करने वाली माँ काली हूँ

५०. मैं समर्थ शक्तिशाली महावीर हूँ

५१. मैं बुद्धिशाली विघ्न विनाशक गणेश हूँ

५२. मैं दुखहर्ता सुखकर्ता हूँ

५३.मैं तपस्वी मास्टर शंकर हूँ

५४.मैं मास्टर ब्रह्मा हूँ

५५. मैं मास्टर रचयिता हूँ

५६.मैं ब्रह्माकुमार हूँ

५७.मैं राजयोगी आत्मा हूँ

५८. मैं रूहानी योद्धा हूँ

५९. मैं रूहानी यात्री हूँ

६०.मैं ट्रस्टी आत्मा हूँ

६१.मैं यज्ञ रक्षक हूँ

६२. मैं खुदाई खिदमतगार हूँ

६३.मैं गॉडली स्टूडेंट हूँ

६४.मैं मास्टर मुरलीधर हूँ

६५.मैं मुरब्बी बच्चा हूँ

६६. मैं परमात्म पालना की अधिकारी आत्मा हूँ

६७.मैं प्रभुप्रिय आत्मा हूँ

६८.मैं मालिक सो बालक आत्मा हूँ

६९.मैं निर्भय, निश्चय बुद्धि, अचल अडोल आत्मा हूँ

७०.मैं अखंड महादानी वरदानी मूर्त हूँ

७१.मैं मास्टर दाता हूँ

७२.मैं पर उपकारी आत्मा हूँ

७३.मैं विश्व सेवाधारी, विश्व परिवर्तक, विश्व कल्याणकारी आत्मा हूँ

७४. मैं कल्प कल्प की विजयी आत्मा हूँ

७५.मैं मायाजीत, प्रकृति जीत मनजीत, सर्व परिस्थिति जीत हूँ

७६.मैं जगतजीत विजयी रत्न हूँ

७७. मैं बेफिक्र बादशाह हूँ

७८.मैं स्वदर्शन चक्रधारी हूँ

७९.मैं लाईट हाउस माईट हाउस हूँ

८०.मैं आधारमूर्त, उद्धार मूर्त, उदाहरण मूर्त आत्मा हूँ

८१.मैं संतुष्टमणि आत्मा हूँ

८२. मैं त्रिलोकीनाथ, त्रिकालदर्शी, त्रिनेत्री हूँ

८३. मैं अव्यक्त, डबल लाइट, आकारी फ़रिश्ता हूँ

८४. मैं ब्रह्मा बाप समान निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी हूँ

बाबा जब अवतरित होते हैं तो पूरे ८४ जन्मों की कहानी सुनाकर सारे सृष्टि चक्र का गुह्य राज समझाते हैं, जिसे दुसरे शब्दों में स्वदर्शन चक्र भी कहते हैं याने स्व का दर्शन करना। इस ८४ स्वमानों की सीढी में आत्मा के अनादि, आदि, मध्य, संगम और अंतिम स्वरुप के अनुसार विभिन्न स्वमान दर्शाये गये हैं। जो इन स्वमानो में स्थित रहेगा वह ८४ जन्म में आयेंगे।